30

शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण

30.1 अनुदेशकों के प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व श्रम मंत्रालय के रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीईटी) का है । शिल्प अनुदेशकों की प्रशिक्षण योजना शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के आरम्भ से चालू है। प्रथम शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान 1948 में स्थापित किया गया तथा बाद में 5 और संस्थान यथा केन्द्रीय अनुदेशक प्रशिक्षण संस्थान (अब उच्च प्रशिक्षण संस्थान के नाम से जाना जाता है) लुधियाना, कानपुर,हावडा, मुम्बई तथा हैदराबाद में स्थित उच्च प्रशिक्षण संस्थान रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा 1960 में स्थापित किए गए।

30.2 अनुदेशकों को औद्योगिक कौशलों में प्रशिक्षण देने की तकनीकों में प्रशिक्षित करना है जो बदले में उद्योगों के लिए अर्धकुशल/कुशल जनशक्ति को प्रशिक्षित करेंगे। कार्यक्रम के तहत राज्य सरकारों के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों(आईटीआई) तथा शिक्षु अधिनियम के अंतर्गत उद्योगों द्वारा स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों के अनुदेशकों को 25 व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है । ऊपर उल्लिखित 6 संस्थानों में चल रहे व्यवसायों में सीटों की कुल क्षमता 1099 है।

30.3 उपर्युक्त संस्थानों में निम्न पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं:-

- कौशल विकास तथा शिक्षण सिद्धांतों, दोनों में पूर्ण प्रशिक्षण देने के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम।
- अनुदेशकों के ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन बनाने तथा उनके उन्नयन हेतु और उन्हें उद्योगों में प्रौद्योगिकीय विकास समझाने के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।
- निम्नलिखित तीन मॉडयूल्स में प्रशिक्षण का मॉडयूलर पैटर्न भी प्रस्तुत किया जा रहा है।

<table>
<tr><th>मॉडयूल का नाम</th><th>अवधि</th><th>संस्थान</th></tr>
<tr><td>(i) व्यवसाय प्रौद्योगिकी</td><td>6 माह</td><td rowspan="3">उच्च प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई), हैदराबाद तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई), चेन्नई</td></tr>
<tr><td>(ii) प्रशिक्षण मैथोडोलोजी (शिक्षण सिद्धांत)</td><td>3 माह</td></tr>
<tr><td>(iii) इंजीनियरी प्रौद्योगिकी</td><td>3 माह</td></tr>
</table>

30.4 लुधियाना, हावड़ा, मुम्बई तथा हैदराबाद में चार उच्च प्रशिक्षण संस्थानों में कोपा(सीओपीए) इटसेम(आईटीएसएम), रेडियो एवं टी.वी. व्यवसायों में प्रशिक्षण सुविधाएं सृजित करने के लिए 2.25 करोड़ रूपए परिव्यय के अनुदेशक प्रशिक्षण कार्यक्रम के आधुनिकीकरण एवं विस्तार की एक योजना आरंभ की गई है। और ब्यौरा हमारी वेबसाईट http://www.dget.nic.in पर उपलब्ध है।